

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 02 फरवरी, 2022

वशिव आर्द्रभूमि दविस

हमारे गृह (पृथ्वी) के लिये आर्द्रभूमि की महत्त्वपूर्ण भूमिका के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रतविरष 02 फरवरी को वशिव आर्द्रभूमि दविस का आयोजन किया जाता है। इसी दिन वर्ष 1971 में ईरान के शहर रामसर में कॅन्वेंशन सागर के तट पर 'कन्वेंशन ऑन वेटलैंड ऑफ इंटरनेशनल इंपोर्टेंस' (रामसर कन्वेंशन) पर हस्ताक्षर किये गए थे। वशिव आर्द्रभूमि दविस का आयोजन पहली बार 02 फरवरी, 1997 को रामसर सम्मेलन के 16 वर्ष पूरे होने के अवसर पर किया गया था। वशिव आर्द्रभूमि दविस आम लोगों को प्रकृति के लिये आर्द्रभूमि के महत्त्व को पहचानने का अवसर प्रदान करता है। वर्ष 2022 के लिये इस दविस की थीम है- 'वेटलैंड एक्शन फॉर पीपल्स एंड नेचर', वर्ष 2021 के लिये इस दविस की थीम थी- 'आर्द्रभूमि और जल' तथा वर्ष 2020 के लिये इस दविस की थीम थी- 2020- 'आर्द्रभूमि और जैव विविधता'। नमी या दलदली भूमि वाले क्षेत्र को आर्द्रभूमि या वेटलैंड (Wetland) कहा जाता है। दरअसल, आर्द्रभूमि वे क्षेत्र हैं जहाँ भरपूर नमी पाई जाती है और इसके कई लाभ भी हैं। आर्द्रभूमि जल को प्रदूषण से मुक्त बनाती है। आर्द्रभूमि विह क्षेत्र है जो वर्ष भर आंशिक रूप से या पूर्णतः जल से भरा रहता है। भारत में आर्द्रभूमि ठंडे और शुष्क इलाकों से लेकर मध्य भारत के कटबिंधीय मानसूनी इलाकों और दक्षिण के नमी वाले इलाकों तक फैली हुई है।

वन क्षेत्र

हाल ही में आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा जारी आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया है कि भारत वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर है। भारत में वर्ष 2010 से वर्ष 2020 के बीच हर वर्ष 2,66,000 हेक्टेयर वन क्षेत्र की वृद्धि हुई है। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 24% भाग वनों से आच्छादित है। भारत में विश्व के कुल वनों का 2% वन क्षेत्र पाया जाता है। सर्वेक्षण के अनुसार, सर्वाधिक वन वाले देश ब्राज़ील, कांगो, पेरू और रूस हैं। ब्राज़ील की कुल भूमिका 59% भाग वनों से आच्छादित है। पेरू का 57%, कांगो का 56% और रूस का 50% भाग वन आच्छादित है। लगभग दस देशों ने वैश्विक वनों में 66% का योगदान दिया। भारत में मध्य प्रदेश में सबसे अधिक वन क्षेत्र है। मध्य प्रदेश में भारत के कुल वन क्षेत्र का 11% हिस्सा है। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश का स्थान है जिसमें देश के कुल वन क्षेत्र का 9% हिस्सा है। छत्तीसगढ़ में 8%, ओडिशा में 7% और महाराष्ट्र में 7% हिस्सा है। राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत के रूप में वन आवरण के मामले में शीर्ष पाँच राज्य: मजोरम- 85%, अरुणाचल प्रदेश- 79%, मेघालय- 76%, मणिपुर- 74% और नागालैंड- 74% हैं। वर्ष 2011 और 2021 के बीच भारत में अत्याधिक सघन वन क्षेत्र में 20% की वृद्धि तथा खुले वन क्षेत्र में 7% की वृद्धि हुई है। शब्द 'वन क्षेत्र' (Forest Area) सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, भूमि की कानूनी स्थिति को दर्शाता है, जबकि 'वन आवरण' (Forest Cover) शब्द किसी भी भूमि पर पेड़ों की उपस्थिति को दर्शाता है।

HERMES मशिन

हाल ही में नासा द्वारा HERMES मशिन के संदर्भ में एक महत्त्वपूर्ण मशिन समीक्षा पारित की गई। HERMES का अर्थ 'Heliophysics Environmental and Radiation Measurement Experiment Suite' है। समीक्षा में नवंबर 2024 तक लॉन्च के लिये मशिन के प्रारंभिक डिज़ाइन और कार्यक्रम योजना का मूल्यांकन किया गया। HERMES मशिन एक 4-इंस्ट्रूमेंट सूट है जिसे नासा के मून-ऑर्बिटिंग गेटवे के बाहर लगाया जाएगा। यह मशिन आर्टेमिस मशिन के साथ-साथ नासा के चंद्रमा पर एक स्थायी उपस्थिति बनाने के लक्ष्यों का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा होगा। मशिन अंतरिक्ष मौसम की नगिरानी और सूर्य द्वारा संचालित अंतरिक्ष में उतार-चढ़ाव की स्थिति का पता लगाने में मदद करेगा। अंतरिक्ष मौसम में नमिनलखित गतिविधियाँ शामिल होती हैं जैसे- कणों और चुंबकीय क्षेत्रों की नरितर धारा, बलियन टन गैस के बादलों का वसिफोट जिसे कोरोनाल मास इजेक्शन कहा जाता है तथा सौर ज्वालाओं से अत्यधिक-उज्ज्वल प्रकाश की चमक।

इनमें से कुछ अंतरिक्ष मौसम की घटनाएँ अंतरिक्ष यात्रियों और रोबोटिक मशिनों के लिये खतरा पैदा करती हैं। HERMES विशेष रूप से परविरतनशील वातावरण में इन मौसम की घटनाओं का अध्ययन करेगा।

पी.आर. श्रीजेश

हाल ही में भारतीय हॉकी गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश को 'वर्ल्ड गेम्स एथलीट ऑफ द ईयर, 2021' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वे यह पुरस्कार पाने वाले दूसरे भारतीय तथा दूसरे हॉकी खिलाड़ी हैं। इससे पूर्व भारत की महिला कप्तान रानी ने वर्ष 2019 में यह पुरस्कार जीता था। पी.आर. श्रीजेश पुरुष हॉकी टीम का हिस्सा थे जिन्होंने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। वर्ल्ड गेम्स (World Games) एक बहु-खेल आयोजन है जिसे हर चार वर्ष में "अंतरराष्ट्रीय वशिव खेल संघ" द्वारा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सहयोग से आयोजित किया जाता है। इन खेलों का आयोजन 11 दिनों की अवधि के लिये किया जाता है जिसमें 30 से अधिक खेलों को शामिल किया जाता है।

